अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल

तत्त्व ज्ञान (वर्ष : 2022) दिनांक : 20.08.2022

समय सीमा : 3 घंटा चतुर्थ वर्ष : द्वितीय प्रश्न पत्र पूर्णांक : 100

नव पदार्थ–आश्रव, संवर–50

प्र. 1 किन्हीं आठ प्रश्नों के उत्तर लिखें– 16

आश्रव : किन्हीं छः प्रश्नों के उत्तर लिखें–

(क) उमास्वाति के अनुसार मिथ्यात्व के कितने प्रकार हैं? नामोल्लेख करें।

(ख) आज्ञाव्यापादिका क्रिया आश्रव से आप क्या समझते हैं?

(ग) भाव प्रतिक्रमण से क्या तात्पर्य है?

(घ) अपहृत्य असंयम किसे कहते हैं?

(ङ) पुरुषाकार पराक्रम से क्या तात्पर्य है?

(च) ओघ संज्ञा किसे कहते हैं?

(छ) प्राणातिपात स्थानक तथा प्राणातिपात आश्रव किसे कहते हैं?

(ज) परिग्रह किसे कहते हैं?

संवर : किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लिखें–

(झ) बाईस परीषहों का वर्णन कौन-कौन से आगमों में आता है?

(ञ) उपग्रह उपधि किसे कहते हैं?

(ट) दस धर्मों के नाम लिखें।

प्र. 2 निम्न प्रश्नों के उत्तर लिखें– 10

(क) आश्रव : सिद्ध करें आश्रव का प्रतिपक्षी तत्त्व संवर है?

अथवा

क्या सावद्य योगों से पुण्य लगता है?

(ख) संवर : क्या योग को छोड़कर शेष उन्नीस आश्रवों को जीव जब इच्छा हो तब छोड़ सकता है?

अथवा

क्षायोपशमिक, औपशमिक और क्षायक चारित्र की तुलना करें।

प्र. 3 निम्न प्रश्नों के उत्तर सविस्तार लिखें– 24

(क) आश्रव : आचार्य भिक्षु ने आश्रव को जीव किस प्रकार सिद्ध किया है?

अथवा

शुभयोग ही संवर है तथा शुभयोग ही सामायिक आदि पांचों चारित्र है, इस संदर्भ में आचार्य भिक्षु के अभिमत को स्पष्ट करें।

(ख) संवर : प्राणातिपात आदि पन्द्रह आश्रव योगाश्रव के भेद हैं तो फिर प्राणातिपात विरमण आदि पन्द्रह संवर विरति संवर के भेद क्यों हैं?

अथवा

सामायिक आदि पांचों संयतों के संयम-स्थानक तथा चारित्र पर्यव कितने हैं?

अवबोध (मनुष्य गति से शील धर्म)–30

प्र. 4 किन्हीं छह प्रश्नों के उत्तर लिखें– 6

(क) मनुष्य में निर्जरा के भेद कितने हैं?

(ख) तिर्यंच में मोहनीय कर्म के क्षयोपशम से कितने प्रकार होते हैं?

(ग) पांचवी नरक में अन्तर और प्रत्तर कितने हैं? तथा अंतरों की ऊंचाई कितनी है?

(घ) ज्ञान पांच हैं अज्ञान तीन, ऐसा क्यों?

(ङ) औपशमिक सम्यक्त्वी में चारित्र कितने होते हैं?

(च) केवल ब्रह्मचर्य का पालन कौन सा भाव? कौन सी आत्मा?

(छ) विसर्जन किसे कहते हैं?

(ज) विराधक संयमी मर कर किस गति में जाते हैं?

प्र. 5 किन्हीं छह प्रश्नों के उत्तर लिखें– 12

(क) सम्मूर्च्छिम मनुष्य की उत्पत्ति के चौदह स्थान कौन से हैं?

(ख) तिर्यंच गति में साधारण वनस्पति को छोड़कर अन्य योनियों के जीव एक मुहूर्त्त में कितने जन्म-मरण कर सकते हैं?

(ग) कौन से जीव किस नरक से आगे उत्पन्न नहीं होते हैं?

(घ) श्रुतज्ञान व मनःपर्यव ज्ञान के दर्शन क्यों नहीं होता?

(ङ) पांचों सम्यक्त्व की अल्पाबहुत्व का क्या क्रम है?

(च) चारित्र की प्राप्ति कैसे होती है?

(छ) दान की परिभाषा लिखते हुए दान के दस प्रकारों का नामोल्लेख करें।

(ज) विषय भोग उत्पन्न होने वाले दस संस्कारों के नाम लिखें।

प्र. 6 किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लिखें– 12

(क) बाड़ व कोट किसे कहते हैं?

(ख) चारित्र का उत्थान व पतन कहां होता है?

(ग) छप्पन अन्तर्द्वीप कहां है?

(घ) श्रुतनिश्रित मति का क्या स्वरूप है?

प्र. 7 कोई चार पद्य लिखें– 12

(क) अर्जन के साथ विसर्जन होना चाहिए–वह पद्य लिखें।

(ख) जैन श्रावक लाखों रुपये खोकर भी अपनी साख को बचाते हैं–वह पद्य लिखें।

(ग) श्रावक दर्शन से श्रमणभूत प्रतिमा तक बढ़ते रहे–वह पद्य लिखें।

(घ) सातवें अंगसूत्र में श्रावकों का जीवन वर्णन रोचक ढंग से उपलब्ध है, उससे सम्बन्धित पद्य लिखें।

(ङ) सम्यग् दर्शन की प्राप्ति होने पर अज्ञान भी ज्ञान बन जाता है–वह पद्य लिखें।

प्र. 8 किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर लिखें– 8

(क) स्थूल मृषावाद विरमण व्रत के अतिचारों का नामोल्लेख करें।

(ख) गृहस्थ के संदर्भ में अपरिग्रह के कितने सूत्र बनते हैं? स्पष्ट करें।

(ग) आनयन प्रयोग का क्या अर्थ है? यह किस व्रत के अन्तर्गत आता है?

(घ) सम्यग् दर्शन के आधारभूत तत्त्व कितने व कौन से हैं?

(ङ) सम्यक् आजीविका के संदर्भ में मुख्य रूप से कितने व कौन से व्यवसाय त्याज्य हैं?